(स्रोम स्रोडे क्वेंड रकः (स्वयूर्ग श्रीव्यक्त प्रक्र स्रोहि सरह (स्रोद श्रीदायः) (स्रो (स्था क्वूलाठमीः जोसांद पूर्णकः श्रीविकः (स्थिएस क्वूटस स्वयू स्था

वांहरते थोल्ड ३था । अस्त लग्न स्वडे स्थ्ये

কর চিত্তে যেই অভিসাপ 🛒 🖹 🕮 🔑

দকুৰা তুথায় গিয়া। ভাইচ্যে হেৰ পটাইয়া। বি করিবে আমিয়ামার পাস।

ভাষা কিভিন্মিতে কথা৷ বিলয়া হেনিয়া হোৱা

হিতিৰ হইল-মেন্তি আৰ

আহিনে ঘৌর করিছে: স্টান্ডির সারাক্তিরি

किंग गरा अपूर्वती . सन् दिना तिलीत्राहे अस्वरत स्टब्स् क्लोबक्स হের দেখা থের জুতি স্বেদ ভৌর ইহারাড় আইনে দুরন্ত কেবি তরে।

ক্রিয় লিচ্চুর কুর থাইল অনেক লর দেখিয়াচি যোর বিধামান

বিৰম্ব না কর তুমি বিশেষে রাক্ষমন্থায় মানুষী অধিক বৰবান।

বিলম্বাবর পুঞ্ আঞা মোরে দেহ তুলু পুরে করি নই মাজকারে

প্রবিধ পরন ভরে যথা বল তথাকারে লৈয়া ঘার নিমিধ ভিড়রে ।'

হিজিন্মে দেখিয়ে ৪গু হিজিন্মির দেখি বাগু হীসি বলে মকত নমন

মির হও সূবদশ্য তর তুই ক্লব্লিস কেরি বলি দেখা কৌতুক এখন । আদুক তোমার ভাই মুখ্রেক যোর ঠাই
পুলি নিষেপত্য দমান
এই মাত্র হবে তোকে মজিবি ভাইফের শৌকে
ইহা বহি নাহি দেখি আন ৷
ভারত দমিত রম শুবলেতে পুলা ঘশ

ব্রভাব্রত পর্ম পবিক্র কলির কলুম বাপা; বির্তিক কাপীয়ান

আদিপবের পাশুর চরিব্র।

ভীয় হিডিমুগতে হয় কাণোপকথল দুৱে থাকি হিডিমু করয়ে দিরীয়ান । বুলি আজে হিডিমুগ ভীমের যাম ভিত্তে ভুবদ মেহিদ কণ বিদ্যুত ব্যৱিতে। মবরি বেজিয়া দিবা কুসুয়ের মাতক
মানিক পুরান মোতি হার ভার গিলে।
বসাদ ভূতা দিবা নুশুর কর্মন
মার্গ বিদ্যা বিরি মোহে শরীন ভৌবন।
প্রির ভারে যেন পতি পরি কথা করে
মেমিয়া হিজিম সোরি পাল অতিপায়।
ভিগি পুতি ভারু মিয়া বলয়ে হিজিছ
এই হেজু মুক্তার লোভ করিলি পাশিনা।
মানুহ ভাতার লোভ করিলি পাশিনা।
মানুহ ভাতার ভৌষার হইল পালর্
মোর ভেরু বিল্বাভা করিলি তেকারন।
মার ভেরু বিল্বভা করিলি তেকারন।
মার ভারু বিল্বভা করিলি তেকারন।
মার ভারু বিল্বভা করিলি তেকারন।

उउ वर्ति हतिन विशिष्मां साहितारम् तम्म लाग्डिउ एक कप् यण करतः । श्रीय वरण तांक्रमात् वप्ततः नांच मान्ने पूरा डांग् भाग्डिति यांन्यतः तींचे । यांनित भाताहित राज्ये आहेल अधीयः यप्ततः वम दिया डांजिन आधीयः । कांग्र भाग्न आधीतः कहेति आधीयः । यांत्र विश्वासात पृथ्वे वर्तिम प्रशीर्था । यांत्र वांत्र बांक् आहे कहिम प्रशीर्था । यांत्र वांत्र वांक् आहे कहिम प्रशीर्था । यांत्र वांत्र वांक् आहे कहिम प्रशित्व । यांत्र डांक् श्रीर्थे विश्वास यांत्र । यांत्र डांक् श्रीर्थे विश्वास यांत्र श्रीत्व । श्रीर्थे व्यवस्था द्वार्थमा वांत्र भीताः । श्रीर्थे व्यवस्था द्वार्थमा वांत्र भीति । श्रीर्थे व्यवस्था द्वार्थमा नांत्र । श्रीर्थे व्यवस्था द्वार्थमा नांत्र । श्रीर्थे व्यवस्था द्वार्थमा नांत्र । হাসিয়া কুন্তির পুথা দুই হাতে বিদে

এক টালে লৈল অঞ্চা বিশুক অন্তরে।

মহাবল রাক্ষম আশান হাতে কাড়ি
কুকোদরে বিরিশেক করিয়া আঁকড়ি।
বাযুর লন্দল ভীয় অভিভয়ন্তর
পরম আসন্দ যার পাইলে মাহর।

মতা মুগা পুতি যেল মুদু মুগবিরে
পুনর শি টালিয়া লইল করে দুরে।

দুই অলে টালটোনি বিরি ভুতে ভূতাে

মুগু টোলটোনি যেল করে গিজেগিতা।

দুই মেঘ যেল মুগুও ভারাতাড়ি

মানে নিশ্বাম লগতে যন্ত কুত্যাড়ি।

দুই মাহ মিত্র যেল করে মিত্রশান

মোঘর নিশ্বন যেল করেয়ে আঁকুনি।

মুবী মাহে মিত্র যেল করেয়ে আঁকুনি।

प्रशिक्षं क्रिक्शं कार्य क्रिक्शं क्रि

भक्षत्री मह जीया देवि बहेतीत्वे छाहे त्यांत्व भागित्या मिल अथाकांत्वे । त्यायाव उनय मिलि भव्य मेन्स्राव कात्य यम दिया प्राणित छाडेन उत्य छाउं विनम् त्यशिया त्यांव प्राणित उत्य छाउं उत्य भूशमह यूद्धा त्याय मार्क्स्राव । हिजिमाव यूद्धा त्याय मार्क्स्य । हिजिमाव यूद्धा त्याय मार्क्स्य । छीत्र छाडे छीत्र स्रांत्य ठिन्न मछत् । छीत्र हिजिम्बल पुन्न सा यांच वर्जना । यूक्ष देनि प्रामित (प्राणित पूर्व प्रमा । यूक्ष देनि प्रामित (प्राणित क्ष्मित्व । पूर्व छीत्छ (प्राणित त्यन गिविवत । पूर्व छीत्छ (प्राणित होत्य क्ष्मित्व । पूर्व छीत्छ (प्राणित होत्य क्ष्मित्व । তাক দিয়া ঘ্ৰিডির বলিক বচন
রাক্রদেরে ভর ভাই লা করিছ মন।
গোটা সহ রাক্রদের ইয়োচে বিধার
নিল্মি জিলাম এও না আনি পুয়ার।
নতে প্রিভি রাক্ষদেরে করিব সংহার
এও খানি বলে ভাঁম নবন কুমার।
কি কার্থে সমুল করহ মহালায়
এইজ্বে বিনালির রাক্ষ্ম দ্রায়ে।
নত বলি দিন লাফ ভুজ নামারিয়া।
ভূত্রেন বলিন বহু করিন বিস্ম
বাক্ষদের ঘুমে বহু পাইলে পরিশ্ম।
বিশাসংকরহ তুমি হয়োত অন্তরে
ভামি বিনালিয়ে ভাই দ্যা নিলাচরে।

অর্জুদ বচলে ভীয় অধিক কুপিল তুলে ইরি ছিড়িয়েরে হ্রাচেড় ফেলিল। চত আর চাপত মুঞ্জিক পদাঘাত পদ্ধৰ করি তারে করিল নিণাত। মব্য দেশে ভায়িয়া করিল দুইখাল (एथाहिन रैनग्रा सर जुड़ि विरामान। ইর্মিতে আলিমিন পঞ্চার্যাদ্র पुंमक् जिल जाए जब दीत वृदेखीयत । অৰ্জুন বলিল ভৱে চাহি ঘৃষিভিয়ে এইড নিকটে পুনির আতে কড দৃরে ৷ এই সৰ সমাচার পাইৰে কেনি জান (नोक मूट्या वांडा भीर दूस मूट्यांतिस ह তেকবিনে প্রনেক রহিটে শা জুরার্ শীলু চন অন্য হলে তেতিয়া প্রযাহ ৷

ত্ত বলি চলিল পাতৰ পাইজন

যাতা সহ পাঁচু পতি কৰিল গমন 
হৈতিয়া চলিল তাৰ কুন্তির সক্ষতি
হিজিম্বা হেনিয়া হোকি বলন্য মাকতি ।

সহতে রাক্তম ডাভি নানা মামা বিষে
বিষয়া মোহিনী বেশ ভাতে সম্ভাকারে ।

তাপন মহাৰ কা কিংডিতে না পারে

সময় পাইলে আয়া পারে মারিবারে ।

নাত ভাল ব বিরি সাধিবার মনে

হাত ২ চলিল তেকারেলে।

ব তীতে ভাত্র সংহতি

বিকারে যায় সহামতি।

মুখিনির বংশ জীয় লছে বঁমাচির অবব্য স্থাতাতি কেন করিবে সংহার । মহা বন হিতিমের করিনে সংহার ভোমা ববিবারে শক্তি কি আমে ইহার। মুখিনির বচনে রহিল কু চারে হিতিমা বভিগ গিয়া কুরি হৈতেল। কায়েমনবাকা মোর সভ্য অনিকার ভোমা বহি ভক মোর গাঁও নালি আর। ভোমায় যে লা কহিব পুণাক বচনে স্থানোকের মর্মা শীভা ভানহ ভালনে। কামবস হৈয়া আমি অভান হইন আপন কুনের বর্ম ছাত্ ভাগি কৈন। সব ভেজি মজিলায় ভোমার নজুলি দর্বাণিত্যের সেবি দা হয় ওচিত
আপদি করহ দয়া দেখিয়া দুঃখিতে।
দদাই দেবিৰ আহি ডোহার চরবে
বহু শুক্টেরে মুখা ওদ্ধারিব বনেং
আঁডা কর বৃচ্চোদ্র ভজিন্ন হোমারে
নহিলে ডেজিব পুলি সামার গোচরে।
হুডাপুলি করি আহি করিছি বিন্যু
নহিলে অবিদ্যা কর হইব লিকটা।
ছিডিয়া নজেক ইনি বলিল যতন
দ্যার্থানির কর্তী বিদ্যার লক্ষ্য
দ্যার্থানির কর্তী বিদ্যার বিদ্যার ভিতর ।

भूसत्रिन जोग्री अश्री निकाह मिनिहरू जानमात मज बोशा रूष्ट्र मां लिहात । विष्यंत्र मोदेश जाजा ज्यित इस्ते ग्रस् छीग्र रेनग्री हिन्दिन हिन्म उउस्ते । भूग भागा है देश हिन्म निम्मेहती मोना वास उनवास छाग्र भीषा कहि । यथा ग्रम करत उथा योग्र ग्रेम्ट्र उद्देश महनारी ग्रहा शिति स्वाप्त (कोर रेक् । निहा मिना जागा (कमे बाह जानुमा हरमगाउ वस पिन कोष्ट्रीय विकाश । स्वाप्त ग्रही भूग हहेन हरू मिन्द्री । स्वाप्त ग्रही भूग हहेन हरू मिन्द्री । जन्म ग्राह्म प्रकृत हरेन ग्रहीह । বিবিধ বর্জ কর ঘট মুলাকার

আই-কর নাম ফুইল ভাগের কুমার ।

মহা বলবান হৈল হিডিদা কদলে

ইন্দের একনি হেড় বিবিধ ভাজন ।

তবে মান্দ্ পুথ্র দেশিক ঘুকত করিয়া

ক্তান্তিলি কৈলা দেশি হ দ্বাক- হৈলা।
আজা কর দাব মোর আপন আলফ্

মারিলে আফিল এই করিল নিন্দা।
আজা পাইটা কায়ে পুথ্র করিল গাঁটান
ভাজা কার্টা কার্টা ভালা

লিকালটো একন্ত্র অবনী

লিকালটো বল্লাটা ভালা

লাক্তর কোণায় ভালাই আকার

য়ত কৈল অংগিছর নাছিত আমানু তেতারনে দেখিবারে আইলাম এখানে নুহাল না ভাবিহ বসু দ্বির কর মন অন্তিরে হইবে তব দুখ্য বিমোচন। তব পূর্ণান শুন লা জানহ ভূমি মোর অংগিচর নাহি মব আমি জানি। বিমা বলে বাহ হলে জিনিবে মকন বিভাৰ করিবা সাগিবার ভূমতন। এখানে যে বলি আমি শুস সাববীলে বহু দুখ্য গাইলে বহু ভূমিলা কাননে। নিতাই নাই এই বামচক নাম কলানি হৈ এখা করহ বিশুমি। এত বলি বাসে সভে লইয়া সংকৃতি
লগতে বুজিলেও গৃহে দিলেন বসতি।
বুজিলেওর গৃহেতে বহিল কয় জন
আর্থানিন হৈয়া গোলা ব্যাস তলোৱিন ।
পুরা কথা ভারতের অমৃত্ সমান
কালী মান কহে ইহা শুলে পুরাবান।

অবাতে বৃক্তিন গৃহে পাণ্ডু বিগান ।
ক্যার প্রায়ে নিড়া ভিষ্ণার কার
ভিষ্ণা করি আমি মতে নিন অব যে কিছু পায়েন দেন অনন্যির মানি অনন্য রন্ধান করি পরিবেসন করে
ক্ষেত্রক বাঁটিয়া দেন ধীর বৃহকাটের মান্তা সহ আন্তাগ চারি সাহাহ্যের

তথাপিছ তৃপ্ত লহে বীর ব্যক্তাদরে।

হল মতে বিপু গুঁহে বান্ধ কত বুলে

ডিফ্রা ফারে আলে। নৈ বুল্লেলের বেশে।

মক দিল গৃঁহেতে রহিলা ব্যক্তানর বেশে।

আচাম্তে বিপু গুঁহে মহা শরু বুলি
বিলাপ করিয়া কান্দে বুল্লেল বুল্লিল।

কবল সদয় কুন্তি সহিতে লাবিল

শ্রেণি তাকি কহিতে লাবিল।

শ্রেণি আদিয়ে অভাতে

বিশু ফারল বিপাতে।

ওবলার বালর লাহায়। লাহি করে
পরলোক পাপ হয় অরশ লংশারে।
প্রায় বলে মারা তুমি জিআন ব্রাহ্রনে
মারে পজি হইলে নুষ্ণা,কার্র ভারনে।
প্রায়ে আখান পাইয় গোল কুরিদেরী
হণ্দক বন্ধনে দেন বাদ্যের শুরুত।
ব্রাহ্রনের ঘার কুন্তি করিল গাঁহন
দেখিল ব্যাক্ল হইয়া কান্ধ্যে ব্রাহ্রন।
ব্রাহ্রনী চাহিয়া দির কলয়ে শুরুরে
মই ছেডু পুন্বর্ব কড বলিনু চোহারে।
কান্ধনের ভানর কুন্তু প্রতিত লা হয়।
পিতা মারা প্রহে হোর লড্বিলে ব্রাহ্রন
ভারার প্রতিত দুক্র প্রাহ্রন

कि कविव अभीव नो प्रिक्षित है होते।
विभा कृषि कविव नो प्रिक्षि भुष्ठिकोत।
कृषि विभावि कृष्य आसाद शृष्टिकी।
नगर वेसा विभावि स्मृष्य भूपोप्रिनी।
विश्वास बोलक मृद्य आदिए खासोद
खासो विश्व सूचरर्जक नो जिएए क्योद ।
जावाब भूग्य पृष्ठिय हर खासो विरम् खासो विमा हर प्रांद्र जिल्ला सद्दर्भ ।
जावाब वृद्धिया खासो किया स्वाद्धिया ।
जावाब वृद्धिया खासो किया स्वाद्धिया ।
जावाब वृद्धिया जावाब स्वाद्धिया ।
जावाब वृद्धिया जावाब स्वाद्धिया ।
जावाब वृद्धिया जावाब स्वाद्धिया ।
जावाब वृद्धिया स्वाद्धिया । देश रेनम् विव आमि विक्रम छहरत दिनश्काद उरद कि क्षेप जीवरन । जनात पाँदेव आमि विकास व मार्टन । अवति नार्ट्स विज क्षेप्रल मगरन । द्वास्त्रजी दर्लम पुंजु क्ष्म पृथ्ध छांद दक्षा देश हिलू दनि आमि ज्या पाँद । रेमस मह मृज दव जामित महस्य जनाथ इदेश क्षा पुरा पूरे जल । उरद क्षांविड पणि वासित जीवन धांद परित पूरे निस्न द्वीर पीनन्। उर्द क्षांविड पणि वासित जीवन धांद परित प्रति प्रति विस्त विन जांत भारति प्रति प्रति देश हिल्लाम्स । स्रोदिष्ट (प्रतिम्ही एस्य जाक्षित जन्न मेरि क्षां दिहरूक दिल्ला किस्न देन । प्रमुक्ताल और मूर्टी शरक विमुक्त कृष्येण दिल्हीत हरेद युवाध। लिस पूर्णाम लाक कारम साहि रेड्स प्रोट्ड जॉक्सिंद हिएका जनांध (एशिय्रा 🕏 विविध पूर्णिक इब खाँगीत विस्तिन তামারে ওচিত দহে আইতে তেহুরিলে। দত্ততি ভারতে বিজ্ঞা করিয়ে সৎসার ষ্বা পুথা দুইগেরিছৈয়ালে তে আর । লাগান কর আৰু শড়ীর বালকে पुरु जिला करि शृह कई और कर्म। শানা বিলু শুন্ত গৃহ হব আরবার ৰ্যাক বিহুদে সৰ্ব্যুহ্ৰ জীব্যাক। वैशांत अवस्थित साधीत स्मरन दिर्देश्य अकारकभगारीह जीवन।

मक्राई जांतरम् स्वामी विम्ना जानेनास्त श्चित्त क्रम्बू स्ट्रॉ यन **इरे (लीट**न १ ত্তণ তাণ যাত বুত দালা বিধি দাল ন্মামী অনুগত নহে শতকে সমান। अवर्व रीमा जाला हेट्य नांत्य व विदिष्ठ রাহ্নদের ঠাএই আমি ঘাইব দিনিত। বাহ্যনী এতেক যদি বলিল ওত্তর গলৈ বৈরি ওয়খনে কান্দে ছিতারে। न्द्रांधीह असन प्राचित व्यंसरम् बुट्यानी আবাদের ক্রমে দেখি বলে ক্রমার এপরি অনাথে পুঢ়ি ঘোঁছে কাম কি কয়েৰে क्तात अमूत् इत त्यांत् निरुद्धात् । बुद्धिकास हो अने यदि जनेती योहेकः জানী বিয়েমে এই বাশক **ন**্ধিব 🎚

নপ্তব্ধন ঘাৰ আর হব কুলফয় তলারতে মান্দেরে ঘাইতে বিবিশ্য ! वन् बहेरल कंमधेत् अद्रण जांग कत्रि বিধির ফুডল ইহা মণ্ডিতে লা পারি ৷ দ্বেত্তে আমাত্তে পিড়া জন্যে দিবে দান ক্লেৰে রাহ্মকে দিয়া ঘোঁতে হয়ো ত্ৰাৰ। আয়া হেন হস্ত হবে ডোমরা থাকিলে তহারতথ মোরে ছিয়া বন্ধ কুডুছলে ! মার পথা হইলে ধ্বেই তারিবে পক্ষাতে ন^পুতি তাহিয়ে আমি ঘটিৰ নিশিতে। 🍱 🕾 🖟 । केंद्रिए दुम्क्क ब्रुक्किनी ं ज लिपिल क्याम अहर्विति। ি 📨 " তা পুথ ভিবের কর্ম विहा करत महा निसंत्व ।

## it's

হাতে এক তৃত্ত নৈয়া বলে দেই শিক্ত বুক্তিদের ভর ভোরা শা করিন কিছু : ब्राक्तरम शाहित और वोजिंद्र पुंचारह কোথা আত্রে হাক্সন দেখায়ে হেছ যেটির প্রানকের বচন স্থানিয়া ডিন জন হাসিতে লাগিলে তারা তেজিয়া কমলে। ক্ষুন নিৰ্ম্ন দেখি ভোজের নিম্নী द्क्तित्व हार्डिया वरण महक्व रांबी। ফ্তের ওপরে যেন স্বর্গ হরিছন जिजामित कृतिपारी येगुह रहते 🗽 কি কারতো ক্রমণ করন্ত ডিল তলে अंतित्व इरेल भारी क्ट्रिक-(अंद्रत्व) দিতা বলে এই ছেডু করিয়ে সন্দান মুশুদ্যের পাত্তি লাহি করিতে যেকে।

: 316

নুইতো কাহর আতে বন্ধ নিশারর
নতার দুরান্ত দেই রাজ্যের ভিতর !

যক্ষ রক্ষ পুত প্রত প্রত্ন ভার

তার ভ্রবনি ইংখ নাছিক নতপার !

কাহরর মধীর ইংখ কারিক নতপার !

কাহরর মধীর ইংখ কারিক মতপার !

বাহ্নদেতে শির্মা করিল এই করে ।

পার্নপ্রিয়াক অল নকট পুরিয়া

নিক্রর বলিষ্টেই মহিল করিয়া ।

নিইকর বিলা অনা নাছিক তাইরি

বহুকালে যোর পুতি হুর্মিতো করার ।

নিইকলে বলি নাছি দের ঘেই তান

নিক্টুন্ন নাছতার কুর্মে ভক্ষন ।

আজিতীয় পঠ্য হইব মোর ঘরে

বি করিব কি হইব বাকা নাহি সারে।

এই ভার্মা কন্যা পুল্ল আছি চারিওবা
কারে দিব বলিয়ান কর্তি ভার্মা
মনুষা কিনিয়া দিব নাহি হেন বিশে
কার মায়া ডেয়াগিতে নারে কোনজনে
নাডে মেনি ঘারো কমে যে খাকে নিখারে
বাজ্যনের এতেক কারর বাকা শুনি
নদ্ম ক্রমের বলে ভারজর নাক্রি।
ভয় ডেল বিজবর না কর কম্মন
সকুইম্বে ঘারে কেন রাজ্য মান্না
শক্রম্ম আরে গেন রাজ্য মান্না
শক্রম্ম আরে গেনির শুনীয়ে বাজ্যন

ক্রিয়া বলিল ভাগ কহিলে বিচার গ্রতিথি কৈন্তুল আছে আশ্রাহে আয়াই। আপনার পুরিহেত করিব একমা লাকে অসম্ভব হক মজিংবক বিশা 🗠 মাজানিয়া দিলে রামি বেনে হেলকছে<sup>া</sup> প্ৰবেধী হয় এই ওচিত বা হয়। মড়াবে ব্ৰহ্মিন বাবি পাছি পুতিকার ূলেতে করিব হেল কর্মা দুরাচার 😲 পুত্তি বলে যতেক কহিলা খিতামাল যার ত্রগোরর দহে স্থ আমি ঘাদি। লাকের বেদমা মোর লা কচ্ছে পরালে: বিশেষ ব্ৰহ্মিন দুৰ্ঘটা সহিব কেমনে ৷ क्ष राम हम योग नोयमिर ह्याहि বি,অভিব আরু হড ছিলের ডাই।

নিঃশালু কলেন শুনহ হিজহর

মোর শুণ্ডাল দেখা মহা বনবর

রাহ্ণন মাইবে হেন লা করিছ শ্রেন

রাহ্ণন মাকরার কৈন মোর বিদ্যালয়ে।

কেরিদ্যা বুদ্ধিবলে যোর পুণ্ডালেল

পুণ্ডারীতে নাহ্নি জিনিছে কোনজনে।

শতপুণ্ড থাজিলে কি পুণ্ডা জানার

ভয়তেজি আনা বলি করম মারর।

কুল্ডির জন্ত হৈন্ শুনিয়া তেন

মৃত্যু শরীরে যেন শৃইল জীবন।

হিজে মানিকরি কুদ্ধি করিলা গমন্

ক্লোদের জানাইন মান্তিবর্ধ।

মানের ব্যান্ত্র গৌন গুণ্ডে আগিনার।

হিলিদ্ধে বুদ্ধিন জীম কৈন জিনিয়ার বিদ্যালীর বিদ্যালী

\$62

তাক্তি আইলা উৰে ভাই চারিজন वार्क्षकुर्विता सकत विदर्भ । গতে ইনেইর 🖆 তারিলে মারেনে কজাজিৰা কোখা ওদাম ব্ৰেদ্বে ৷ গমার সমাত হিবা আপন ইটুয় হার বৃদ্ধিতে হেল কয়িলা ওপাঁর 📜 न्ति वरण आसीत वहता न्रक्तिक ্রের করিনে আর রাখিতে নগর। য় ক্তিতি আছে ইমে নাছি অপ্যাপ শৈষ বুল্লিৰ ক্ষা প্ৰম পৌৰম। उन्ति ध्रुविस्तु रहेगा स्तिष्ठ वृति तृत्यः (इत प्राद्धा रेक्टन पृथ्याहम्। गृन मुख्यार्थ नाहि स्रोति देशस्मारक हिंद्रेस्ट्रेज व्हा तस् उक्तित्र स्ट्रेश ।

পুথার ভিত্তর পুথা আময়ে বিপের মতে পুলি রামিয়াকি ঘাহার আর্থা*স*ং ভিন্না মানি পুলি রাখি যথা খালে বাস পুন রাজ্য পারবলি ঘার বলে আপি 🕽 মার ভূতবলে নিদুর্গ দী যায় ফৌরংব যার তেতে জৌগ্হে স্বর্টারিশে সভো স্থাঁয়েকরি দৈশ মুভা হিড়িমূক হণ **হিতিত্ব মারিয়ে কৈল সভার রক্ষ**া হেল পুণ্ৰ দিবে জুহি রাক্ষম ভক্তৰে আমিদৰ জীব আৰু হিপৌৰু কাৰ্ডে! গুরুবারী হইয়ে ইহা ক্রেছ নাহি করে বেমে পাছিক লাছি সংক্ষার জিড়ারে ৷ রাজার দুছিতা জুমি রাতার মহিঘী মুখ্য পাইয়া হত বৃদ্ধি হৈলে হৈল বালি 🖠

TO!

বৃদ্ধি বিলে মুখিজির না ভাবিছ ডাপ त्माई केल्पिक नाम औरमव मुंखीरे १ अव्य शन्तिक वन वेटड करनवंटर . ভীয়ে পরাজহা ছেল লাছিক স্থান্দরিকা অনুষ্ঠালে "ব্যাক্তয় প্রদাহ ভাছার পুদৰিয়া <del>সিতে পঞ্জি সহিল</del> আহার <u>৷</u> বিজ্ মাত্র ত্রি পুন মেলাইনু ডলে গোরিশ্ব চুর্ব হৈন জীমের আমুালে ৷ ৰাত্ৰভাৱা**ন্ততে তুমি-দেমিধুল** আপলে চারি হল্তি ভারওঁন। জমি ভারিজনে। र्जायाञ्चर (जास लियार जारेल कें।रम क्रि হিডিফা বরিল বলে হিডিফ্ মণ্ডারি ৷ ভাষ পরাক্ষ পুণ্ড জায়ি যাসি ভালে क्षिम अ°दांत हात छी। जुनतान 1

## स्थक

জার টুক কথা মাতা কছ বিজয়রে प्रति पूर्वात एक ता इस जामादत है ব্যবে কুন্তি নাৰ ভক্ত কহিল বুক্তিকে। বুলি মান্ত্ৰ কৰি ছিত্ৰ দিল তেওকুলো 🗅 নিশাকালে বৃহকাদ্র সকটে কডিয়া यथा रेटाचे बस्त दक अञ्जित्त भिन्नी । রেরে বহুর নিশান্ত আইন মতর : এত বলি আহু যায় বীরবৃত্তাদ্র ৷ নামবারি তাকে এক ফোর্ব্রে খরহর क् देश्य प्रक्रिया (यन भेग्रेड क्लिहा ग्राकाम ग्राहण्डल ग्राहण्डल हेलिएउ विषय किन्ति छत्रभन करत्र १ यह भाग्र वरलीएड (बरभाई विश्रामान ক্ৰীবে দুই চন্দু যেন অৰ্থনমান ঃ

হোক দিয়া বলৈ বক আরু দর্মায়ন্তি এটনৰ হুইয়া কেন করিন অনিভিয়া 🗆 🗷 अक्ट्रेस वुक्तन धारित छोत्राम्स्य 🖟 🦷 এড হলি নিশাঁচর বিরে অভি রোকে 🖯 রান্ধ্যমের বাক্তা জীম সা প্রনিদ কালে পুঞ্জিরা বাকের অন্ন করিশ ভক্ষালার মেরি ফোরে নিশারর ছরচ্যে গর্মনে ওম্ব বাহ্য করিবীয় অতি কোবিমনেণ্ নুইহাতে বজুময় পৃষ্ঠেতে পুহারে: ज्यानि कुछन नोह रहेत दुकरात । পূষ্টে যে রাজন মাধ্যে কেপার ডামরে বলিঃশন্ধার বুদিরা বীর পার্মা**র ভা**লেন্ মেখিয়া অধিক কোঠ হৈল নিশাচনে कुछ अनेजियं होत्न कीरमंत्र अनात् ।

শীও অন মাত্র হাঁলে ব্রেণ্ড ইহিচ্ছ বাড়িয়া দইল ভকরে। পুন মহাধ্যুক ওপজিন নিশান্তরে उर्द्धिश योहिन वृक्त **औरयह अभरत**ा ভৌজনাত্তে ব্ৰোধর কৈন আঁচান একবৃক্ষ ওপজিল ঘোর সরশান 🗀 ব্লেছ মুদ্ধ হৈল লা মায় কথকন ৪রুর হবৈ বৃহ্ন না বহিল বলে। শিলাবৃদ্ধি করে দৌরে দ্বৌহার ওপরে बाक्टर पृथ्व रेहले (मिंग) छग्नक्टर १ মূলে, বুকেই স্থাকাই ডাকি বল জি করি দৌহে দার গভাগাড়ি। বুলে ভাষ্ট শুম বন্ধ নিশাওর वीकाम देविन दीव कृष्टित त्वांडेत्र १ বামহন্তে দুইজালু সহাহতে পির কুমে জালু দিয়া টানে শ্কোদর বরির । মহোণ ভারিয়া করিল দুইমাল মহাপত্ন করি বরি ভেজিল পরাল । আর যত আছিল বকের জলুচর ভায় পলাইল সভে গোল বলান্তর । লগের লিকটে ভাম বকে ফেলাইয়া মাতৃভূতিস্থানে সব লিবেদিল গিয়া। হর্মষিতে কুলিদেবা ভালি সহোদরে আলিগিয়া পুস্থাপিন বরি ব্রোদরে। বজনী পুভাত হৈল ওদ্যু জহল বাহির হইল বত দগরের জলু। দেখিয়া সকল লোক হৈল চয়তকার শতিয়ালে বক জেল পনর্তে জাকার।

হলে ক্রেম্ করিল কোন জন क्षिंद्र एएले सिवुक्षक दिन सर्वेजन। পর্মদুর্বন্ত বক্ত দদা হিৎ্মাকরে আপনার পালে দুফ্র' এড দিনে ময়ে 🕽 তবে মতে বিচারিয়া নগরের জন ভ্ৰমন্ত আনহ বকে কে কৈল নিবিদ ! কাদিকার ভোজা যার আছিল পঞ্চক দেই বলিবারে পারে বকের <del>অন্তক</del>। ব্রাহ্মনের ঘরে বলি থারিল নির্নিত মভেমেদি ব্ৰাহ্মভোৱে ভাৰিল ডুৰিত। জিজাদিন, বুক্লিনেরে সর বিবর্গ হাক্কর বলিল গুল ইছার কারন। কালিকার পষ্টক আছিল মোর ঘরে -শৈকিবুল যেটা যোৱে এক ছিসবছে ৷

সদয় হুইয়া যোগে দিলেক অভয় বলিলৈয়া বস্ত শ্ৰানে গৌল মহাশয়া কেই ছিজবর বক্ষে করিল সংস্থার এইত বাংড্যের ছিজ ক্রিল নিস্তার। 25 छति प्रशंहक दिन अवर्थन বুক্তিনেরে মহাপুড়া করি বিচয়ন 🗀 আগনে খুহন্ত আইল আগনাত মূৰে দের তুদ্য বিজ্ঞার পুজে পশুবেরে ৷ ছেলগ্ৰহে খিল গৃছে ক্তৰিল ঘূৰি আভিদ্বিতে এক দ্বিতা আইল তথায় ৷ मीनी प्रतर्भद्रं कथा बरह (महे विज्वत কুল্ডি নামে খামে গাইপাতেই কেডিবু 🕻 দ্বিত্তনে বছদেশ কবিল ভ্যান ৰখ্য দ তাৰ্ম ছেব্ৰ না বায় গালন্

ক্রান্ট্র্যা হেখিল আমি পঞ্চালকারে व्यक्तित देशन मुनेप नृनेपद्र। দুপদ রাজার কদা ক্থানাম বারে ক্রপে জেন তুলা দাহি পৃথিয়ী ভিত্তে । অয়োনি সমুধা কন্যা তদা যন্ত হৈতে যজনেলিকাম ডেপ্লী বিখ্যাত তগতে ৷ দুপদের পুত্র এক লৌকে অসুপম দ্রোল রিনাপিতে করা ব্রীষ্ট দুগুরুসাম 🕨 াৰত খানি ডিজানিদা পাতুপুশ্ৰণাৰ কহ প্রনি হিতকর ইহার বাখান। विजवरण भूरवर्व प्रान मुन्नारत मिड ক্তমিনে বলহ হুইল আচম্যিত ৷ অভিমানে গেল দুোৰ হন্তিনা দগর অন্ত্র শিক্ষা কর হিল কৌবর ক্রেভিরু।

শিক্ষা অন্তে শিশুগাৰে হক্তিনা মাণিক ৰূপদ রাজারে যাবিং আদ যে কাছিল*ব*ি কৃতি পুশ্ৰ অৰ্জুন ক্ষেত্ৰ আজা পাইছা দুপদ রাজারে থানি নিলেন আনিয়া**।** আদ্রাতা দিল দ্বোল পুন হৈল মিড মুক্ত করি দুশংখনে দিলেন ত্রিত। অভিয়ানে শুপদে দা করে আর তাদ কেমদে মাহিব চিত্তে দুে'ল মহবিশ 🕻 🏋 এইড ভারনা বিন্ধ অন্য নাছি মনে মধা গমাতীরে রাজা করেন ভূমনে ধ জাতা প্রণতাজনায়ে মুই সংহারত (बरम्च विभागेत ह्यैंग्स्ट दुर्ग्यान स्वित्र । **७१जीक मुनर एकिन उक दिल** ৰম পূজা ভক্তি কৈন বিজ্ঞের চয়তো I

বিশক্তে মাবুরি ভাষে ঘুকি দুইকর।
ভরতাতে পুতি বলে পঞ্চাল ঈশার।
নাকলক্ষ বিশু থিব আদংশা দুখন
নাকা কাছ দিব আমি করি মনঃপূর্ন।
মার ইচ্চা কমা এই শুল মহাপার
লাল শামেতে ভর্ছাতের তলয়।
অস্থবীরি হয় হেল নাহি ক্ষিতিমায়ে
বিধারতে লাহি হেল তার দলে মুখ্য।
বিধার পরশুরাম দম পরাসমে
ধন বুদ্ধি কর তারে জিনিয়ে দংগ্রামা
বিত্তে যে প্রানাম নাহি বৈয়াতে ভাছার
বিত্তে যে প্রানাম নাহি বৈয়াতে ভাছার
বিত্তে যের কর পুতিকার।

ছেন মাজ শ্রুত হয় জীয়ার সন্দশ ভারভুজ বলে দ্যোন হইবে লিবন 🗈 ঙপজাতা বলে মোর এই যুক্তি ন**হে**া বাহ্মেনের বর্থকর্মা ওটিউ না হয়ে ১ হিত্যের এতেক বাধ্য শুনিহা ব্যাত্তন পুনঃ বংশ দ্রতি করি বন্দিল হচন। ঘু,পদের বিনয় দেখিলা ছিজবর পুনান্ন হইড়া বলে খ্রদ দণ্ডবির। মোর জোধ ভাই জাতা পরম ওপল্লী বেনেতে পারণা সদা অর্লা নিবাসি ! তার মালে পুথিনা কর্ছ রাজন তিনি করিবেন তব দৃথ্য বিহোৱন চ ওপতাত বোলে বাতা **িল** ভাত মৃ**লে** पुर्वाययां सकल कविन निर्देशस्त ।

मन्त्र रहेल् जांज देवन जीतिकात् ভ আঁর খ্রিন তবে পুদিতকুমার। লি মহ শুউ আঁচরিল নাইবর या पूज विरात जना रहेन कुंडेड़। গ্রাণ্ডির বার হাতে বান্ধানর व्यवस्थ क्यहवरत प्राथित होनेत १ नराष्ट्रस्य देरहं भाष्ट्र (लक्ष्टिक क्यूक्ट्रेड শ্র হেটির আনন্দিত পঞ্চান উপের। ন্ব মেই ঘৰা মধ্যে কলাৰ ৪৯৭টি শ্র মাত্রে দশদিক কর্মে দিশতি ৷ লৈশিশ্ব আভামান মুদ্রে বর্নিনী উচলন্ধ ইন্দু ভোগতি-পৰিষক স্থানী। ম্পের দৌরতে এক ভোজর ব্যাপিক नुस्तित यक इस अक्षर वाकिस

পুপ্র হল্যা দুইজন ঘড়োড অগ্রিক হেন কালে আকাশেতে শ্লা বানি হেখ এ কলার তথা হৈন ভার নিয়ারনে ইহা হৈতে ফুল্লি দ্ব হইব দিবলৈ ৷ क्ष रूप हार इस्त के क्ना हिल्ड এই পুথা করা হৈল দ্বোন বিন্দাপিতে। এতক আকাশ বানী শুনি সৰ্ববৈদ অনুং শিল্প কৈল পঞ্চালেরগান 1 ঘঙৰীর ঘোদাগিল চাহত সি॰হনার আদন্দে দুৰ্ণম হাজা জাড়িৰ বিশান্ ৷ কন্যা পুয়ের নাম তবে খুইল তথক বৃঞ্জাদুনাম রাজা খুইন নদুন। क्ष जासे क्षांनांच धरेन उलान মুণদ রাজা দ্রোপদী যভেত্বে যাজসেলী

मिरे कर्ना संस्पृत किल नृशेवह পৃথিবীতে আইল যত হাত্ররাজেশ্বর। দিজ ফুমো স্থানিয়া হতেক সমাতির ঘাইতে ওছেণচিতা হইল সভাকার 🕻 পুণ্রনিভিত্তা আনী ভোজের সন্ধিনী মঙাকার বুড়ি দেবী কছেন আঁপনি। বস্থাদিন হৈল ইথি করিনু বসাতি क् माहत दशमित तोहि (नार्ड सिडि ুৰ্ব মত ভিন্তা ইথে নামিলে এখন বস্মাকর শুনি পঞ্চার রাজন। इन पाव उथलिए परि लग् मन उतिहा स्टीकांक किन यउ पूर्वाने । ্ত্ৰ সহ কৃতি দেবি ফারল বিচার হেৰ ভাবে আইল সভাবতিবক্সাই ট

বাদে দেখি পুনমিল ভোজের ক্য়ারি
পথগোই আদের হলনে সমন্তর বি
আশিবনি করি মুলি জিডামে কুমৰ
মুলিবনি করে পুন পঞ্চ সম্পাদ্র
মুলিবনি কুমল কলা। ক্যুন্র ?
অনুত রচিল লফ প্রান্তরপতি
মোলফ কান্তিতে লাহি কাহারো শক্তিঃ
কর্তুন কান্তিব লক্ষ মুভার ভিডারে
পর্যালের কলা। পুলি হইবে ভোমারে।
শীদুগতি মাহ তথা লা কর বিলম্ম
চির্মিন হৈন ম্যুন্তরের আরম্ম।
বিভারি লহু প্রান্তরিল পুন্দি
কৃষ্টি লহু প্রাভাই ক্রিজ শ্রান।

অন্তর্যান হৈয়া গোল কাম্ম তাপাইল
ওত্তক্তমুখোতে আদ পাতুপুশুগাল ।
দিকালিশি পথ করে নাহিল বিশাহ
লাশা দেশ দলমহী লাইল কম গাহিছ ।
তাগো হায় প্রথমিকি ছোর দিশান্তাবে
অককার হেতু বিরি ছিন্ডটি ওল্পলে।
কত্তিলে ওত্তিল আক্ষমিকীরে
পাত্তকে পার পাইলা বলে আক্ষমিনীর
পাত্তকে পার পাইলা বলে আক্ষমিনী
ক্র অক্ষমির দেশি মন্ত্রা হইলা।
গিন্তা পাণা হারো আগার আশ্রহ
কাত্রিকালে সামি জীয়ে কেছেল আত্রাম্
কর বাক্ষমা শিলার দ্বতগাল

বিশেষে অমার দুর নাম মোর মার্ড নিশ্চন আমার হাতে হইবে নিপাও। পার্থ বলে শাস্ত্র নাহ আনহ দুখ্যান্তি আহুবর কল ক্ষল দিবা কিবা হাতিই আহুবর কল ক্ষল দিবা কিবা হাতিই আহুবর কলক যে সে ভোমারে ভর্নান এ গমার মহিয়া লা আল মানুমতি মর্গেড়ে আলকালনা স্থামে ভাগিতেরী। পিতৃলোকে বৈভর্কী আরো ভোগেতেরী আকালস্কাল নাহি সদা লোক গান্তি। হেল গমান্ত্রাল করি সদা লোক গান্তি। হেল গমান্ত্রাল করি সদা লোক গান্তি। বিশ্বনার বিভাব করি আরো স্থান। অর্থনের বোলে কেন্ত্রণ গান্তব্য সম্পর্যার ইলার প্রতিত্ত দুলু পারে মোর স্থান। অর্থনের বোলে কেন্ত্রণ গান্তব্য সম্প্রার